

## ॥ स्मृति-पत्र ॥

1. संस्था का नाम
2. संस्था का पता
3. संस्था का कार्यक्षेत्र
4. संस्था के उद्देश्य

१०४२  
प्रिय

रामजासरे

सर्वेश कुमार

Rajkushwah

लिलेश कुमार कुशवाह

Kanchan

गया प्रसाद

लक्ष्मी प्रसाद



सत्य-प्रतिलिपि

- एकिसस एजूकेशनल सोसाइटी  
117 / एन / ४४, काकादेव, कानपुर।
- संस्था का कार्यक्षेत्र समस्त उत्तर प्रदेश होगा, जिसे आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।
- यह संस्था पूर्ण रूप से गैर-राजनीतिक है, संस्था के प्रमुख उद्देश्य समाज के कल्याण के लिए कार्य करना, जनता के सामाजिक सांस्कृतिक, शैक्षिक, बौद्धिक, रघनात्मक, कलात्मक एवं तकनीकी उन्नति के लिए हर सम्भव प्रयास करना, लोगों के जीवन स्तर को उठाना, समाज में फैली कुरीतियों का विरोध करना, मानवाधिकारों के संरक्षण हेतु कार्य करना व जन सेवा ही है।
- संस्था के प्रमुख उद्देश्य निम्नवत हैं—
- 1) संस्था के कार्यक्षेत्र में शिक्षा का प्रचार प्रसार करना, शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास हेतु नर्सरी, माण्टेसरी तथा शिशु स्तर से लेकर प्राइमरी, जूनियर हाईस्कूल, हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट आवश्यकता होने पर स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा के लिए महाविद्यालय, कन्या महाविद्यालय, तकनीकी शिक्षण संस्थान, इंजीनियरिंग कालेज, मेडिकल कालेज एवं सभी प्रकार की शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा संस्थानों की स्थापना करना।
  - 2) किसानों के उत्थान हेतु कृषि विविधीकरण कार्यक्रमों का संचालन करना तथा किसानों को उन्नतिशील बीजों, कृषि यन्त्रों, कीटनाशकों आदि की जानकारी देना तथा उन्हें सिंचाई के साधन ट्यूबवेल से सम्बन्धित सरकार की योजनाओं का संचालन करना, किसान विकास गोष्ठियों सेमिनारों, फलों एवं फसल उत्पादन की प्रदर्शनी आदि का आयोजन करना तथा अच्छे कृषकों को पुरस्कृत करना।
  - 3) नशामुक्त समाज का निर्माण करना, नशे के विरुद्ध जनजागृति उत्पन्न करना, नशामुक्त केन्द्रों व नशामुक्त चिकित्सालयों की स्थापना करना।
  - 4) आयुर्वेदिक एवं औषधिक पौधों का वृक्षारोपण, संरक्षण एवं इससे सम्बन्धित राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं का संचालन करना।
  - 5) संस्था के कार्यक्षेत्र में विभिन्न प्रकार के खेलों के शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करना। खेल-कूद, निवन्ध, कला प्रतियोगितायें आयोजित कराना। मेधावी एवं प्रतिभावान बच्चों/खिलाड़ियों को पुरस्कृत करना।
  - 6) पर्यावरण सुधार हेतु कार्यक्रमों का आयोजन करना, वृक्षारोपण करना, जागरूकता कार्यक्रमों एवं ऐली का आयोजन करना। पर्यावरण सम्बन्धी केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का संचालन करना।
  - 7) संस्था के कार्यक्षेत्र में महिलाओं को सशक्ति बनाने हेतु महिलाओं को साक्षर बनाना, उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक करना। महिला एवं बाल विकास विभाग, महिला कल्याण निगम, महिला आयोग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन करना। महिला प्रशिक्षण

वरिष्ठ सहायक

आवश्यक उपनिषद् एवं भोगदृष्टिका एवं इति  
आनन्द विजय राजपूत

लिलेश कुशवाह

केन्द्रों की व्यवस्था करना, महिला छात्रावास, अनाथ आश्रमों, परित्याकृता आश्रमों, विधवा पुर्नवास केन्द्रों की स्थापना करना, बढ़ती हुई वैश्यावृत्ति को रोकना एवं महिला जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन करना।

- 8) : प्रदूषण नियन्त्रण के क्षेत्र में कार्य करना, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, प्लास्टिक उपयोग से होने वाले प्रदूषण, मेडिकल/हास्पिटल के कूड़े कचड़े से होने वाले प्रदूषण को रोकने का प्रयास करना, प्रदूषण रोकने के लिए जन जागरूकता पैदा करना तथा इस हेतु शोध संस्थानों की स्थापना करना, सेमीनार, सम्मेलनों का आयोजन करना।
- 9) : महिलाओं, वेरोजगारों एवं विकलागों को स्वावलम्बी बनाने हेतु तकनीकी एवं रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना, उन्हे सिलाई, कढाई, कताई, बुनाई, अगरबत्ती एवं मोमबत्ती बनाना, कालीन बुनाई, पेन्टिंग, टाइपिंग, स्टार्टहैण्ड, कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं इंटरनेट, रेडियो, घड़ी, टीवी रिपेयरिंग, मोटर वाइडिंग के प्रशिक्षण केन्द्रों की व्यवस्था करना एवं उनका संचालन करना।
- 10) : सामाजिक कुरीतियों, शोषण, दहेज प्रथा, वाल-विवाह, वर्ग-भेद, छुआ-छूत आदि को समूल नष्ट करना, विधवा-विवाह, अन्तर्जातीय विवाह, दहेज-हीन विवाह के लिये जनमानस को प्रोत्साहित करना। सामूहिक विवाह राम्भेलनों का आयोजन करना।
- 11) : गरीब एवं आम जनता के लाभार्थ टीकाकरण, पल्स पोलियो कार्यक्रमों मातृ एवं शिशु कल्याण केन्द्रों, एड्स नियन्त्रण एवं जागरूकता कार्यक्रमों, नशामुकित कार्यक्रमों (मद्यपान-निषेच कार्यक्रम), नशामुकित चिकित्सालयों, कुष्ठरोगी सेवा केन्द्रों, अन्धता निवारण कार्यक्रमों, नेत्र चिकित्सालयों, रन्तदान कार्यक्रमों, स्वास्थ्य परीक्षण केंद्रों, धर्मार्थ एवं निःशुल्क चिकित्सालयों, हैपेटाइटिस वी के टीकाकरण तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन करना। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में गरीब वर्ग के लिए निःशुल्क चल चिकित्सा वी की व्यवस्था कर दवा वितरण एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करना। आँखों की निःशुल्क जाँच करना तथा निःशुल्क आँखों का ऑपरेशन करना एवं चश्मा बनाना।
- 12) : समाज कल्याण के लिए सामाजिक न्याय मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, केन्द्र एवं राज्य सरकार के समस्त मंत्रालयों/विभागों की समस्त योजनाओं का संचालन करना।
- 13) : वृद्धा आश्रमों, अनाथ आश्रमों आदि की स्थापना करना तथा वृद्ध जनों के लिये भोजन, वस्त्र, दवायें आदि निःशुल्क प्रयास करना तथा वृद्धावस्था पेन्शन दिलाने हेतु निःशुल्क मार्गदर्शन करना।
- 14) : समाज के गरीब लड़के, लड़कियों की शादी विवाहों में सहयोग करना तथा उपयोग होने वाले सामान को निःशुल्क उपलब्ध कराने का प्रयास करना।
- 15) : विकलागों को विविध प्रकार के प्रशिक्षण देना कृत्रिम अंग उपकरणों को दिलाना, मूक-विशिर विद्यालयों की स्थापना करना तथा उन्हे तकनीकी शिक्षा प्रदान कर विकलागों को आत्मनिर्भर बनाना।

### सत्य-प्रतिलिपि:

तारिख सहायक  
सामाजिक उपरबद्ध वर्ष, सोसाइटी वा किंवा  
कानूनी सम्बन्ध संस्था



16) : संस्था के कार्यक्षेत्र में खाद्य प्रसंकरण बोर्ड के कार्यक्रमों का संचालन करना। भूत्य पालन, मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन, सूअर पालन, एवं प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग, सीरियल आयल प्रोसेसिंग आदि कार्यक्रमों का संचालन करना।

17) : ग्रामीण क्षेत्रों में विकास तथा गरीबों के उत्थान हेतु भेड बकरी पालन, डेयरी, विकास कार्यक्रमों, गौशाला की स्थापना, गोसंरक्षण एवं गोसंबद्धन कार्यक्रमों का संचालन करना।

18) : सामाजिक एवं चानिकी के अन्तर्गत वन्य जीव जन्तुओं की सुरक्षा की जानकारी देना। उनके संरक्षण हेतु वन सम्पदा बढ़ाने हेतु प्रयास करना।

19) : एड्स के बचाव के उपायों की जानकारी का प्रचार-प्रसार करना, नुक़ङ, नाटक, गोष्ठी, कार्यशाला का आयोजन करना तथा केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की विभिन्न एड्स नियन्त्रण कार्यक्रमों का संचालन करना।

20) : अनु० जातियों, जनजातियों, पिछडे वर्गों एवं अल्पसंख्यकों के उत्थान हेतु केन्द्रीय एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन करना।

21) : गन्दी एवं मलिन वरितयों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना, हैण्ड पम्प लगावाना तथा सरकार के स्वजल धारा कार्यक्रमों के अन्तर्गत पीने का पानी उपलब्ध कराने का प्रयास करना। गन्दी एवं मलिन वरितयों के विकास हेतु केन्द्रीय एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों को चलाना। सर्दी में अलाव जलवाना, भोजन, वस्त्रों, कम्बल, लोई आदि का वितरण करना। गैर्फ़ी में पेयजल के लिए पीशाला खुलवाना।

22) : संस्था के कार्यक्षेत्र में गरीबों के विकास हेतु कपार्ट, ड्वाकरा, सूडासेल, द्राइसेम, डी.आर.डी.ए., नवार्ड, अवार्ड, सिड्डी, महिला एवं बाल विकास विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा संचालित ग्रामीण विकास योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करना, संचालन करना तथा नेहरू रोजगार योजना, जवाहर रोजगार योजना, प्रधानमन्त्री रोजगार योजना, स्वतः रोजगार योजना के प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन करना।

23) : भूतल परिवहन एवं राज मार्ग मन्त्रालय द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन करना।

24) : संस्था के कार्यक्षेत्र में ७०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड/खादी आयोग एवं ग्रामीण कुटीर उद्योग निदेशालय की नीतियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन करना। ७०प्र० खादी ग्रामोद्योग बोर्ड/आयोग ग्रामीण एवं कट्टोर उद्योग निदेशालय/थैंकों से क्रत्य प्राप्त करके ग्रामोद्योग इकाईयों की स्थापना करना, चलाना, ग्रामोद्योगी वर्तुओं का उत्पादन एवं विक्री करना।

25) : ७०प्र० खादी ग्रामोद्योग बोर्ड/आयोग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में हिस्ता लेना तथा भण्डारण केन्द्रों, विपणन केन्द्रों, शोरूमों आदि की स्थापना करना।

विविध सहायक

“ग्रामीण विकास बन्दरे, लोकार्थी लोकों का सहायता करना।”

- 26) : बाल श्रमिकों के लिए बाल श्रम विद्यालयों की स्थापना करना तथा उनका संचालन करना।
- 27) : ऊसर बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने हेतु प्रयास करना तथा परती भूमि विकास कार्यक्रमों का संचालन करना।
- 28) : सासंद एवं विधायक निधियों द्वारा सम्पन्न कराये जाने वाले निर्माण कार्यों में सहभागिता लेना तथा उनके क्रियान्वयन में सहयोग करना।
- 29) : दैवीय अपदाओं वाद, अग्निकाण्ड, भूकम्प, सूखा व दुर्घटनाओं आदि से पीड़ितों की सहायता करना तथा राहत कार्यों में सहयोग करना।
- 30) : जन, मानस में बढ़ती हुई ईर्ष्या, हिंसा, अन्ध विश्वास, छुआछुत धर्म भेद, रंगभेद, ऊँच-नीच आदि समाज विरोधी बुराईयों को समूल नष्ट करने हेतु प्रयास करना जागरूकता पैदा करना।
- 31) : धार्मिक सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करना एवं उनका एक दूसरे के प्रति भाईचारे की भावना का समावेश करना।
- 32) : दीन दुखियों की सेवा करना तथा संस्था की अपनी पहचान बनाये रखने हेतु संस्था की स्मारिका निकालना प्रचार प्रसार करना पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।
- 33) : शोध छात्रों के सहयोग हेतु प्रयास करना, शोध संस्थान की स्थापना कर उनका निःशुल्क सहयोग करना।
- 34) : कला के विकास एवं लोक कलाओं, ललित कला के प्रचार प्रसार एवं नाटकों का मंचन आदि के सम्बन्ध में कार्यक्रम करना तथा लेखकों, साहित्यकारों, समाजसेवकों, युद्धिजीवियों, उत्कृष्ट खिलाड़ियों आदि को सम्मानित करना।
- 35) : शासन एवं प्रशासन के सक्षम विभागों की अनुमति से मेडिकल, इंजीनियरिंग, अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराना।



### सत्य-प्रतिलिपि

वरिष्ठ सहायक  
लोकसभा चुनाव आयोग  
कानपुर ब्लॉक  
कानपुर राज्य लोकसभा चुनाव आयोग

तंत्रधा- रोजगास संजूलेश्वर गोदा - ११८ रोज ३८ बादेव कानपुर नगर  
पुब्लिकमीटिंग, २५ अक्टूबर २०११

क्र० सं० नाम	पिता/परिज्ञाना	वड व्यवसाय
१- श्री राम आतरे कुशाहा	श्री रघुनन्द कुशाहा १७/सन/३। कानादेव कानपुर उपाध्याय तमाजेषा	
२- श्री तर्वेश कुमार कुशाहा	श्री उषोटे लालकुशाहा २७६ कल्यानपुर कानपुर नगर उपाध्याय नाकरी	
३- श्री राज कुशाहा	श्रीराम आतरे कुशाहा १७/सन/४३ कानादेवकानपुर तामित छायाचार	
४- श्री विवेक कुमार कुशाहा	श्री उषोटे लालकुशाहा २७६ कल्यानपुर कानपुर कोषाध्यशेषमाजेषा	
५- श्रीमती व्यंगे कुशाहा	श्रीराज कुशाहा १७/सन/४४ कानादेव कानपुर	तदस्य नाकरी
६- श्री एहानन्द तिह	श्रीराम सकल तिह ४४/। तिथ्यनगर कानपुर	तदस्य व्यवसाय
७- श्री तीर्थराज मोर्य	त्वालाला मोर्य नेहल इन्डोवंगो मतीनगर लखनऊ	तदस्य "

तथा प्रतीलिपि



१। तामित

Rajeshwar Singh

हस्ताक्षर

- १- रामअनासरे
- २- विवेक कुमार कुशाहा
- ३- Kanchan

मूलसूचि के हस्ताक्षर

- १- गयापुराद गयापुराद
- २- लक्ष्मी पुराद लक्ष्मीपुराद

सर्व-प्रतिलिपि

प्रतीलिपि द्वारा दिलाई गई तामित रुप विट्ठल  
२३/११/१२

तंत्रधा- रोजगास संजूलेश्वर गोदा - ११८ रोज ३८ बादेव कानपुर नगर  
पुब्लिकमीटिंग, २५ अक्टूबर २०११

क्र० सं० नाम	पिता/परिज्ञाना	वड व्यवसाय
१- श्री राम आतरे कुशाहा	श्री रघुनन्द कुशाहा १७/सन/३। कानादेव कानपुर उपाध्याय तमाजेषा	
२- श्री तर्वेश कुमार कुशाहा	श्री उषोटे लालकुशाहा २७६ कल्यानपुर कानपुर नगर उपाध्याय नाकरी	
३- श्री राज कुशाहा	श्रीराम आतरे कुशाहा १७/सन/४३ कानादेवकानपुर तामित छायाचार	
४- श्री विवेक कुमार कुशाहा	श्री उषोटे लालकुशाहा २७६ कल्यानपुर कानपुर कोषाध्यशेषमाजेषा	
५- श्रीमती व्यंगे कुशाहा	श्रीराज कुशाहा १७/सन/४४ कानादेव कानपुर	तदस्य नाकरी
६- श्री एहानन्द तिह	श्रीराम सकल तिह ४४/। तिथ्यनगर कानपुर	तदस्य व्यवसाय
७- श्री तीर्थराज मोर्य	त्वालाला मोर्य नेहल इन्डोवंगो मतीनगर लखनऊ	तदस्य "

तथा प्रतीलिपि



१। तामित

Rajeshwar Singh

हस्ताक्षर

- १- रामअनासरे
- २- विवेक कुमार कुशाहा
- ३- Kanchan

मूलसूचि के हस्ताक्षर

- १- गयापुराद गयापुराद
- २- लक्ष्मी पुराद लक्ष्मीपुराद

सर्व-प्रतिलिपि

प्रतीलिपि द्वारा दिलाई गई तामित रुप विट्ठल  
२३/११/१२